647510 **BRSHinEC618D** **Seat No :_____**

B.R.S. Semester - 6 (*CBCS*) Examination
March/April -2019
HINDI(ELECTIVE-18)

Time: 2:30 Hours **Marks: 70**

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न-१ यशोधरा खंडकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दो में लिखे। (१५)

अथवा

प्रश्न-१ यशोधरा खंडकाव्य के कवि मैधिलीशरण गुप्त का जीवन परिचय लिखे।

प्रश्न-२ यशोधरा काव्यमें प्रतिलिबिंत नवीन युग का परिचय दीजिए। (१५)

अथवा

प्रश्न-२ यशोधरा काव्य के काव्य प्रकार के बारे में चर्चा कीजिए।

प्रश्न-३ निम्नांकित संदर्भोमें सें किन्ही तीन संदर्भो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए। (१५)

(1) सिद्धि हेतु स्वामी गये, यह गौरव की बात,
पर चोरी – चोरी गये, यही बडा़ व्याधात।
सखि, वे मुझ से कहकर जाते,
कर, वो क्या मुझको वे अपनी पथ बाधा पाते?

(2) दीन – न – हो गोपे, सुनो हीन नहीं नारी कभी,
भूत – दया – मूर्ति वह मन-से-शरीर से,
क्षील हुआ वनमें क्षुधा – से मैं विशेष जब,
मुझको बयाया मातृजाति ने ही खीर से,

(3) बेटी अ़ में भी तुझे छोड नहीं जाऊंगा,
तेरे अश्रु लेकर ही मुक्ति – मुक्ता छोडूंगा।
तेरे अर्थ ही तो मुझे उसकी अपेक्षा है।
गोपी बिना गौतम भी गाह्य नहीं मुझको॥

(4) होता सुख का क्या – मूल्य जो न दु:ख रहता?
प्रिय-हद्रय-सदय हो व पस्ताप क्यों सहता?
मेरे नयनों से नीर न यदि यह बहता,
तो शुचक प्रेम की बात फिर कौन कहता?

(5) हाय! पक्षियों से भी मनुष्य गये – बीते है।
हम थलवासी जल में तो तैर जाते हैं,
किंतु पक्षियों की भाँति उड़ नहीं पाते हैं।
मानवों को पंख क्यों विधाताने नहीं दीये?

प्रश्न-४ यशोधरा काव्य के आधार पर यशोधरा के पात्र का चरित्राकंन कीजिए। (१५)

अथवा

प्रश्न-४ यशोधरा काव्य का भावपद्य – कलापद्य चित्रित कीजिए।

प्रश्न-५ निम्नांकित परिच्छेद का अनुवाद कीजिए (१०)

मनुष्य तो मनुष्य ही है। पशु – पक्षी जहां जन्म लेते है, अपने उस देश को प्रेम करते है। जंगल में पैदा हुए किसी जानवर को आप पिंजरे में बंद कर सकते है, उसे लाख आराम पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं, पर वह सुखी नहीं हो सकता। उसे तो अपने जंगल का देश ही प्यारा लगता है। उसी तरह मुक्त आकाश में उड़नेवाले पक्षी को पिंजरे में बंद करके सब तरह का सुख पहुंचाना चाहें, तो भी वह कदापि सुखी नहीं हो सकता। उसका देश खुला आकाश, पेंडोकी शाखाएं और घोंसला है। वहां वह धुप, वर्षा और ठंड के प्रहार सहकर भी सुखी रह सकता है। और जेसे जंगलो और पेंडो को हम काट रहे हैं। पर्यावरण की रक्षा प्राणियों के लिए भी जरूरी है। जब जंगल सुरक्षित होंगे वो पशु – प्राणी भी सुरक्षित रहेगे। और मनुष्यो की आजादी के साथ पशु – प्राणी – पक्षियों की आजादी रहेगी।

****